

खास-खबरें

सहजानंद मेडिकल टेक की स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एट्री

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के विकास, निर्माण और बिक्री का काम करने वाली और सुप्राफ्लेक्स क्रूज, कोकून व हाइड्रा जैसे प्रमुख ब्रांड्स के जरिये मेडिकल सेक्टर में तकनीकी सेवाएं देने वाली कंपनी सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 344 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग लगभग 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 368.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग लगभग 8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 371.15 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के समपोर्ट से यह शेयर कुछ ही पलों में उछल कर 409.95 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद बाजार में हुई मुनाफावसूली के कारण यह नीचे 346.65 रुपये के स्तर पर भी आया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच दोपहर 12:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 372.70 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ओप्पो ने भारत में उतारे फाईड एक्स10 और प्रो मैक्स

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: ओप्पो ने भारत में फाईड एक्स10 और फाईड एक्स10 प्रो मैक्स स्मार्टफोन पेश किए हैं। कंपनी के अनुसार, दोनों फोन में 8,000 मिलीऐम्पियर-घंटे की बैटरी और 80 वाट तारयुक्त तेज चार्जिंग की सुविधा है। प्रो मैक्स में 50 वाट बेतार चार्जिंग भी दी गई है।

फाईड एक्स10 में 200 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा, 200 मेगापिक्सल का दूरदर्शी कैमरा और 50 मेगापिक्सल का विस्तृत दृश्य वाला कैमरा है। इसके सामने 50 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। प्रो मैक्स में मुख्य और दूरदर्शी कैमरों के साथ विस्तृत दृश्य वाला कैमरा भी 200 मेगापिक्सल का है। इस तरह इसमें तीन 200 मेगापिक्सल कैमरे मिलते हैं। फाईड एक्स10 में डाइमेंसिटी 9600एम चिपसेट और प्रो मैक्स में डाइमेंसिटी 9600 प्रो चिपसेट दिया गया है। दोनों फोन एंड्रॉइड 17 पर आधारित कलरओएस 17 पर चलते हैं और इनमें 144 हर्ट्ज तक की ताज़ा-दर वाली स्क्रीन है। उपकरणों को धूल और पानी से बचाव के लिए आईपी68 तथा आईपी69 स्तर की सुरक्षा मिली है। फाईड एक्स10 12 जीबी स्मृति और 256 जीबी संग्रहण वाले संस्करण की कीमत 1,39,999 रुपये है। 12 जीबी स्मृति और 512 जीबी संग्रहण वाले संस्करण का मूल्य 1,69,999 रुपये रखा गया है। फाईड एक्स10 प्रो मैक्स का 12 जीबी स्मृति और 512 जीबी संग्रहण वाला संस्करण 1,99,999 रुपये में उपलब्ध होगा। दोनों उपकरणों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुविधाएँ भी शामिल हैं। प्रो मैक्स में उलटी बेतार चार्जिंग की सुविधा दी गई है।

डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमत के आगे परत हुआ शेयर बाजार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाने के कारण बनी आर्थिक चुनौतियों की आग में आज घरेलू शेयर बाजार बुरी तरह से झुलस गया। वैश्विक स्तर पर बने इस दबाव की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज ज्यादातर समय बिकवाली का जोर बना रहा। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने चुनिंदा शेयरों में लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति सुधारने में काफी योगदान दिया। हालांकि चौतरफा बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक वापस हरे निशान में नहीं पहुंच सके। इस तरह पूरे दिन के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद शेयर बाजार लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरावट के साथ गहरे लाल निशान में ही बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हरे निशान में हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ गई। लेकिन कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण शुरुआती तेजी टिक नहीं सकी। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही बिकवाल बाजार पर पूरी तरह हावी हो गए। बाजार में ऊपरी स्तर से शुरू हुई मुनाफावसूली और वैश्विक दबाव के कारण बिकवाली का ऐसा जबरदस्त दबाव बना, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार नीचे की ओर गिरते चले गए। बिकवाली के इस दबाव में सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 1,314 अंक से अधिक लुढ़क गया। इसी तरह निफ्टी ने भी ऊपरी स्तर से 415 अंक से अधिक का गोता लगाया। हालांकि दोपहर 1:30 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली शुरू कर दी, जिससे बाजार निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहा।

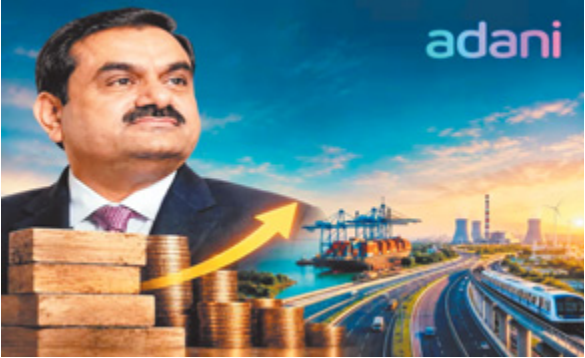
स्पेशल खबर

आय 44 प्रतिशत बढ़कर 19,438 करोड़ रुपये हुई; बिजली की मांग और बिक्री में बढ़ोतरी का लाभ

अडाणी पावर का दूसरी तिमाही का मुनाफा दोगुने से अधिक

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: अडाणी पावर का वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा बढ़कर 6,919 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 2,953 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। कंपनी की परिचालन आय भी 44 प्रतिशत बढ़कर 19,438 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक वर्ष पहले 13,457 करोड़ रुपये थी। बिजली की मांग और बिक्री दरों में बढ़ोतरी से आय में वृद्धि हुई।

कंपनी का परिचालन लाभ 59.8 प्रतिशत बढ़कर 8,231.6 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की



दूसरी तिमाही में यह 5,150 करोड़ रुपये था। लाभ का परिचालन आय से अनुपात 38 प्रतिशत से

प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा— टाटा संस में दुस्तेों की 66 प्रतिशत हिस्सेदारी का ढँचा देशहित में जरूरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने और उसके प्रबंधन को लेकर जारी विवाद के बीच देश-विदेश के छह प्रमुख पारसी संगठनों ने टाटा ट्रस्ट्स का समर्थन किया है। संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर टाटा समूह की पुरानी स्वामित्व व्यवस्था और कामकाज के तीर-तरीकों को बनाए रखने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे समूह की समाजसेवा और परोपकार की परंपरा जारी रह सकेगी।

पत्र में संगठनों ने कहा कि इस विवाद को केवल दो शेयरधारकों के बीच का मामला नहीं समझा जाना चाहिए। इसका असर देश के बड़े और भरोसेमंद कारोबारी समूह के भविष्य पर पड़ सकता है। उन्होंने टाटा समूह की दीर्घकालीन सोच और सामाजिक योगदान को

उसकी विशिष्ट पहचान बताया।

संगठनों के अनुसार, टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करना केवल नियमों से जुड़ा विषय नहीं है। सूचीबद्ध होने पर कंपनी पर हर तीन महीने में लाभ दिखाने और शेयरों का मूल्य बढ़ाने का दबाव हो सकता है। उनका मानना है कि इस दबाव से समूह की दीर्घकालीन योजनाओं और काम करने की परंपरा पर असर पड़ सकता है। इससे भविष्य की बड़ी परियोजनाओं और समाजसेवा के कार्यों से ध्यान हटने की आशंका भी उठोनें जताई।

टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा के परोपकारी न्यासों के पास है। इन न्यासों को समूह की कंपनियों से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा अस्पतालों, शिक्षा, अनुसंधान और अन्य सामाजिक कार्यों में



लगाया जाता है। पारसी संगठनों का कहना है कि यह स्वामित्व व्यवस्था समूह को

अल्पकालीन लाभ के दबाव से दूर रखती है और उसे देश के लिए लंबे समय की

परियोजनाओं में निवेश करने की स्वतंत्रता देती है।

पत्र में टाटा समूह के देश के विकास में योगदान का भी उल्लेख किया गया है। संगठनों ने टाटा स्मारक कैंसर अस्पताल सहित शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के निर्माण में समूह की भूमिका को रेखांकित किया। भारतीय विज्ञान संस्थान और टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थानों का भी उल्लेख किया गया। उनके अनुसार, समूह वर्तमान में अर्धचालक, रक्षा, विद्युत वाहन और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों की परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। संगठनों ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य के लिए टाटा समूह की सेवा भावना और कामकाज के मौजूदा ढाँचे को बनाए रखना जरूरी है।

भारत-जर्मनी व्यापार और निवेश संबंध मजबूत करने पर जोर

बर्लिन, एडोर्नो: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 22 अक्टूबर को बर्लिन में जर्मनी के साथ व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई उच्चस्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने जर्मनी की संघीय आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

दोनों नेताओं ने औद्योगिक सहयोग के अवसरों और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार किया। गोयल और रीचे ने बर्लिन स्थित जर्मन कार्डसिल ऑन फोरन रिलेशंस के भारत केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्देश्य भारत-जर्मनी संबंधों से जुड़े नीतिगत अनुसंधान और संवाद को बढ़ावा देना है।

दोनों मंत्रियों ने जर्मन कार्डसिल ऑन फोरन रिलेशंस और जर्मन व्यापार की एशिया-प्रशांत समिति के सहयोग से आयोजित भारत-जर्मनी व्यापार गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी की। इसमें जर्मनी के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। गोयल ने अपने संबोधन में विकास को गति देने और व्यापार के नए दौर की शुरुआत पर जोर दिया। रीचे ने मुक्त व्यापार समझौते को औद्योगिक सहयोग के ठोस अवसरों में बदलने की बात कही। चर्चा में संभावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

गोयल ने बर्लिन वैश्विक संवाद में ‘नया युग, नए गठबंधन: तीसरा मार्ग?’ विषय पर आयोजित परिचर्चा में भी भाग लिया। इसमें जर्मन चांसलर के निवेश प्रतिनिधि मार्टिन ब्लेसिंग, सिंगापुर के श्रम, ऊर्जा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री टैन सी लेंग और मासैगार्लिया स्टील की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

► पीयूष गोयल और जर्मनी की

मंत्री कैथरीना रीचे ने

औद्योगिक सहयोग तथा

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त

व्यापार समझौते पर चर्चा की

एम्मा मार्सेगार्लिया शामिल थीं। चर्चा का संचालन लार्स-हेन्रिक रोलर ने किया। गोयल ने अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में विश्वास, देशों की पूरक आर्थिक क्षमताओं और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बायर के प्रबंधन मंडल के सदस्य और औषधि विभाग के अध्यक्ष स्टीफन ओलरिच, नॉफ समूह के प्रबंध भागीदार मूरत अक्यिल्डिज तथा फ्रेसेनियस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल सेन से भी अलग-अलग मुलाकात की। बैठकों में व्यापार और निवेश सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

गोयल के साथ जर्मनी और नीदरलैंड की यात्रा पर लगभग 100 भारतीय व्यवसायों और नवउद्यमों का प्रतिनिधिमंडल भी है। बर्लिन में हुई वार्ताएं व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग के माध्यम से भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

जियो आईपीओ में एक करोड़ से अधिक आवेदन, 18 गुना निवेश

दुनिया का पहला सार्वजनिक आईपीओ बना; संस्थागत निवेशकों की मांग सबसे अधिक

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: देश के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गम जियो प्लेटफॉर्मस में आवेदन का आज अंतिम दिन है। शाम 4:30 बजे तक निर्गम 18 गुना से अधिक अभिदान पा चुका था। अंतिम आंकड़े शाम 5:30 बजे के बाद आने की संभावना है। इस निर्गम को एक करोड़ से अधिक आवेदन मिले हैं। इसके साथ ही यह एक करोड़ आवेदन पार करने वाला दुनिया का पहला सार्वजनिक निर्गम बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत की वारी एनर्जीज लिमिटेड के नाम था, जिसके निर्गम को करीब 97 लाख आवेदन मिले थे।

जियो ने निर्गम में 19.75 करोड़ शेयर जारी किए हैं। इन्हें खरीदने के लिए निवेशकों ने 404 करोड़ शेयरों के बराबर बोलियां लगाई हैं। संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 55 गुना और छोटे निवेशकों का हिस्सा



2.69 गुना अभिदान पा चुका था। निर्गम पहले ही दिन, 21 अक्टूबर को, 3.02 गुना अभिदान पा गया था। उस दिन 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले 59.68 करोड़ शेयरों की मांग दर्ज हुई। दूसरे दिन की शुरुआत में संस्थागत

निवेशकों की बोलियों के चलते अभिदान 3.50 गुना से आगे निकल गया।

शेयरों का मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपये तय किया गया है। छोटे निवेशकों को कम से कम 12 शेयरों के

सेंसेक्स 125 अंक गिरा, निफ्टी में 87 अंकों की कमी

सरकारी बैंक, धातु और अचल संपत्ति कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली



नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: शेयर बाजार में 23 अक्टूबर

को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 125 अंक टूटकर 73,123 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 87 अंक गिरकर 22,600 के स्तर पर आ गया। सरकारी बैंकों, धातु और अचल संपत्ति कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली रही। बाजार पर दबाव के एक प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली रही। 22 अक्टूबर को विदेशी निवेशकों ने 3,459 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों ने 2,891 करोड़ रुपये की खरीदारी कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन इससे बिकवाली का दबाव कम नहीं हो सका। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सऊदी अरब पर हूती हमलों के बाद ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका से ब्रेंट कच्चा तेल 113.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। महंगे तेल से कंपनियों के

दूरसंचार की भावी तकनीकों के लिए सी-डॉट और आईआईटी में सहयोग



नईदुनिया ब्यूरो, वाराणसी: दूरसंचार विभाग के अनुसंधान एवं विकास केंद्र सी-डॉट ने वाराणसी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) में अपना छठा उल्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य उभरती संचार तकनीकों में संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी विकास और क्षमता

निर्माण के लिए समर्पित मंच तैयार करना है।

इस साझेदारी में सी-डॉट की स्वदेशी दूरसंचार अनुसंधान विशेषज्ञता और आईआईटी (बीएचयू) की शैक्षणिक तथा शोध क्षमताओं को जोड़ा जाएगा। दोनों संस्थानों के शोधकर्ता, प्राध्यापक, विद्यार्थी और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर काम करेंगे। पहल का लक्ष्य शैक्षणिक

अनुसंधान को व्यावहारिक तकनीकी जरूरतों से जोड़ना, नवाचार को बढ़ावा देना और दूरसंचार क्षेत्र के लिए कुशल पेशेवर तैयार करना है।

उल्कृष्टता केंद्र में पाँचवीं पीढ़ी की उन्नत संचार तकनीक और छठी पीढ़ी की संचार प्रणालियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा तथा उन्नत बेतार प्रणालियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में बड़े पैमाने की बहु-इनपुट बहु-आउटपुट प्रणालियों, एकीकृत संवेदन एवं संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संचार नेटवर्क और उपकरण तथा क्वांटम एवं उत्तर-क्वांटम संचार तकनीकें शामिल हैं।

कपास चुनने वाले श्रमिकों को मिलेंगे सुरक्षात्मक दस्ताने



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भाकूअनुप-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सिरकांट), मुंबई ने कपास चुनने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षात्मक दस्तानों की तकनीक के हस्तांतरण हेतु मैसर्स ट्रस्ट एआरएस रबर प्राइवेट लिमिटेड, चेंगलपट्टु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 22 अक्टूबर को हुआ।

संस्थान के अनुसार, तकनीक हस्तांतरण से दस्तानों का व्यावसायिक उत्पादन और उनकी व्यापक उपलब्धता

दस्तानों की तकनीक के व्यावसायीकरण के लिए समझौता

बढ़ने की उम्मीद है। इससे कपास किसानों और कृषि श्रमिकों को लाभ मिलेगा। दस्तानों का उपयोग हाथों में लगने वाली चोटों को कम करने, काम की परिस्थितियों में सुधार लाने और सुरक्षित तुड़ाई को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। कपास की तुड़ाई के दौरान पोधे के नुकीले सहपत्र श्रमिकों के हाथों को चोट पहुंचा सकते हैं। इस समस्या को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किए गए दस्ताने हाथों को सुरक्षा देते हैं। साथ ही, इनमें लचीलापन और

पुडुचेरी सहकारी बैंक के ग्राहक निकाल सकेंगे केवल पाँच हजार रुपये

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक ने पुडुचेरी को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक पर छह महीने के लिए प्रतिबंध लगाए हैं। 21 अक्टूबर 2026 को कारोबार समाप्त होने के बाद से लागू निर्देशों के तहत बैंक का कोई भी ग्राहक अपने बचत, चालू या अन्य खाते से कुल पाँच हजार रुपये से अधिक नहीं निकाल सकेगा।

रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार, बैंक उसकी लिखित अनुमति के बिना नया ऋण नहीं दे सकेगा, निवेश नहीं कर सकेगा और नई देनदारियां नहीं ले सकेगा। बैंक अपनी संपत्ति का निपटान भी अनुमति के बिना नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक ने छह महीने के लिए निकाली सीमा तय की; बैंक पर कई अन्य पाबंदियां भी

कर पाएगा। हालांकि, वेतन, किराया और बिजली बिल जैसे आवश्यक खर्च किए जा सकेंगे। बैंक के पात्र जमाकर्ता जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम के नियमों के तहत पाँच लाख रुपये तक की बीमा राशि के लिए दावा कर सकते हैं। यह राशि निर्धारित शर्तों और प्रक्रिया के अनुसार देय होगी। रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया है कि बैंक पर लगाए गए निर्देशों का अर्थ उसका अनुज्ञापत्र रद्द करना नहीं है। बैंक प्रतिबंधों के अधीन अपना काम जारी रखेगा।